खास-खबरें

मानौरा में जगदीश स्वामी रथयात्रा मेले का 15 से 17 तक होगा आयोजन

विदिशा । जिले के ग्यारसपुर तहसील के ग्राम मानौरा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्रीजगदीश स्वामी रथयात्रा मेले का आयोजन 15 से 17 जुलाई तक किया जाएगा। मेले के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, अग्नि सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा पूर्व तैयारियां जारी हैं।

श्रीद्वारकाधीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा 16 को

विदिशा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्थानीय किले अन्दर अवस्थित श्रीद्वारकाधीश मंदिर से भगवान श्रीजगदीश स्वामी की रथयात्रा 16 जुलाई गुरूवार को प्रात: 9.30 बजे निकाली जाएगी, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण, उनके अग्रज बलरामजी व अपनी बहन सुभद्राजी के साथ रथ में विराजमान होंगें। प्रात: 8 बजे श्रीठाकुरजी को अटके का भोग अर्पित किया जाएगा एवं आरती पश्चात् रथयात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर बजरिया, जयस्तंभ, तोपपुरा, चतुर्भज मंदिर गुसेश्वर मंदिर होते हुए श्री द्वारकाधीश मंदिर पर वापस पहुँचेगी। इसी के दौरान विभिन्न स्थानों पर थोड़ी-थोड़ी देर ठाकुरजी का रथ दर्शन हेतु ठहराया जाएगा। ऐसी मान्यता है कि जो रथ आरूड भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के दर्शन करता है उसे नर्क नहीं भोगना पड़ता। काष्ठ का यह रथ गौलोकवासी लक्ष्मण विश्वकर्मा द्वारा देव प्रेरणा से ग्राम नौलास के ग्रामीणों के सौजन्य से वर्ष 1997 में निर्मित किया गया था। इसी दिन सांयकाल 8 बजे श्री द्वारकाधीश मंदिर में विराजमान बाबा रामदेवजी की दूज का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बाबा श्री रामदेवजी का तिलक, हो, धूप कर चूरमा का भोग लगाया जाएगा व भजन गायन कर आरती उपरांत प्रसादी वितरण किया जाएगा।

14 और 15 को जगदीश मंदिर में हवन-दिव्य अनुष्ठान के पश्चात 16 को निकाली जाएगी रथ यात्रा

सीहोर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन 16 जुलाई को किया जाएगा। यह ऐतिहासिक एवं धार्मिक रथ यात्रा शहर के प्राचीन जगदीश मंदिर, छावनी से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई संजय टाकीज के पास स्थित स्वर्णकार समाज मंदिर पहुंचेगी। लगातार 66 सालों से परमार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के तत्वाधान में निकाली जाने वाली भव्य यात्रा को लेकर समाजजन ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में आमंत्रण पत्र का वितरण किया है। वहीं आगामी 14-15 जुलाई को मंदिर में जगन्नाथ पुरी से लेकर आई चलती प्रतिमाओं का विशेष अभिषेक और हवन 108 संत पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इसके अलावा 16 जुलाई को सुबह दस बजे आस्था और उत्साह के साथ भव्य रथ यात्रा पुरी की तर्ज पर निकाली जाएगी। समाज के वरिष्ठ तुलसीराम पटेल और पूर्व चल समारोह अध्यक्ष सुरेश गब्बर परमार ने बताया कि परमार समाज और क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं के द्वारा निरंतर पूरी की तर्ज पर यात्रा निकाली जाती है। आयोजन समिति ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। रथ यात्रा के दौरान पूरा शहर जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान रहेगा और भक्तिभाव का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। इस वर्ष चल समारोह अध्यक्ष भंवर लाल परमार कुलांस कला का स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ तुलसीराम पटेल, कमल पटेल, मुकेश परमार, विष्णु परमार, शिव परमार, जेपी परमार, भगीरथ परमार, अनारसिंह परमार, देवनारायण परमार, दशरथ सिंह परमार, भगवान सिंह परमार, मनोहर परमार, लखन परमार, महेंद्र परमार, विक्रम परमार आदि ने भगवान जगदीश की रथ यात्रा का प्रचार-प्रसार किया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत 'सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गंजबासौदा। स्थानीय सैण्ट एस.आर.एस.पब्लिक हायर सैकण्डरी स्कूल में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सफाई अपनाओ ' बीमारी भगाओ' कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के सेवा निवृत स्वास्थ्य अधिकारी आर. के. नेमा ने बताया कि हमको अपने परिवेश के आसपास साफ सफाई रखना बहुत आवश्यक है । बारिश का मौसम प्रारंभ हो चुका है, घरों में आवश्यकता न होने पर कूलर में पानी भरा ना छोड़ें । गमलों,पुराने टायरों एवं घर के आसपास गड्ढों में पानी भर ना रहने दें। ऐसी स्थिति में मच्छर पैदा होंगे, जो मलेरिया तथा डेंगू जैसी घातक बीमारी फैलाते हैं । स्वच्छता ही हमें स्वस्थ रख सकती है ।प्राचीन काल में आश्रम में गुरु अपने शिष्यों को स्वच्छता का ज्ञान प्रदान करते थे । इसी प्रकार इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं के माध्यम से घर-घर स्वच्छता संदेश पहुंचाना है । प्रत्येक बच्चा पांच परिवारों को प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम के अंतर्गत स्टाफ एवं छात्राओं ने स्वच्छता की सामूहिक शपथ ली ।

वन स्टॉप सेंटर ने विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा और साइबर जागरूकता का दिया संदेश

देवास। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने फेम गुरुकुल एकेडमी में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण और साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के साथ विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर उनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल संरक्षण और बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी देते हुए बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। साथ ही सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, फ्रॉड और स्पैम कॉल की पहचान तथा साइबर ठगी के तरीकों से बचने के उपाय भी बताए।

स्कूल खुलते ही महंगे कोर्स ने बढ़ाई अभिभावकों की चिंता

निजी पब्लिशर्स की महंगी किताबों से बिगड़ा बजट, कमीशन के खेल के आरोप

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदा : नवीन शिक्षण सत्र 2026 शुरू होते ही अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कई निजी स्कूलों में 25 जून से कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। लेकिन बच्चों के प्रवेश, फीस और अन्य व्यवस्थाओं के बीच सबसे बड़ी चिंता महंगी स्कूली किताबों को लेकर सामने आई है।

नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए निजी पब्लिशर्स की किताबों के सेट हजारों रुपये में उपलब्ध हैं, जिससे अभिभावकों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। कक्षा 6 से लेकर 12वीं तक भी कुछ ऐसी ही स्थिति देखी जा सकती है। कई निजी संस्थाओं ने तो अपने पूरे कोर्स ड्रेस व संसाधनों के नाम फिक्स कर दिए हैं। दुकानों पर पहुंचते ही इन संस्थाओं की ड्रेस सहित अन्य सामग्री फिक्स दाम पर उपलब्ध है। अभिभावकों का कहना है कि नई शिक्षा नीति से उन्हें शिक्षा सस्ती और सुलभ होने की उम्मीद थी। लेकिन निजी स्कूलों में महंगी किताबों का चलन पहले की तरह जारी है। इस वर्ष भी प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं दी, जिससे पालकों में नाराजगी है।

किताबों के साथ यूनिफॉर्म, फीस और बस का खर्च भी भारी : अभिभावकों के अनुसार केवल किताबें ही नहीं, बल्कि स्कूल यूनिफॉर्म, जूते, बैग, कॉपी-किताबें, स्टेशनरी, वार्षिक शुल्क और स्कूल बस शुल्क जोड़ने पर नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक एक बच्चे की पढ़ाई पर 35 हजार से 50 हजार रुपये तक का खर्च आ रहा है। मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था करना चुनौती बन गया है।

क्षेत्र के कई निजी स्कूलों में एनसीईआरटी की अपेक्षा निजी पब्लिशर्स की किताबें अधिक लगाई जा रही हैं। इन पुस्तकों की कीमत सरकारी पुस्तकों की तुलना में कई गुना अधिक होती है। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन जानबूझकर ऐसे निजी प्रकाशकों की किताबें निर्धारित करते हैं, जिनसे उन्हें आर्थिक लाभ मिलता है। इससे अभिभावकों के पास महंगी किताबें खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं का दावा है कि निजी प्रकाशकों और कुछ स्कूल संचालकों के बीच 35 से 40 प्रतिशत तक कमीशन का खेल चलता है। नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर एक पुस्तक विक्रेता ने बताया कि कई प्रकाशक स्कूलों को अधिक कमीशन देने के कारण अपनी किताबें पाठ्यक्रम में शामिल करवाते हैं। यही वजह है कि वास्तविक लागत से कहीं अधिक कीमत पर किताबें बेची जाती हैं और इसका सीधा बोझ अभिभावकों पर पड़ता है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल: अभिभावकों का कहना है कि वर्षों से महंगी किताबों की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यदि स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबों को प्राथमिकता दी जाए या निजी पुस्तकों की कीमतों और चयन प्रक्रिया की निगरानी की जाए, तो अभिभावकों को बड़ी राहत मिल सकती है।

नई शिक्षा नीति से भी नहीं मिली अपेक्षित राहत

नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद अभिभावकों को उम्मीद थी कि शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी और किफायती होगी, लेकिन निजी स्कूलों में महंगे निजी प्रकाशनों की किताबें अनिवार्य किए जाने की शिकायतें लगातार बनी हुई हैं। इससे शिक्षा का खर्च कम होने के बजाय लगातार बढ़ता जा रहा है। अभिभावकों ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि निजी स्कूलों में पुस्तक चयन की प्रक्रिया की जांच कराई जाए, कथित कमीशनखोरी की निष्पक्ष जांच हो तथा विद्यार्थियों के हित में एनसीईआरटी अथवा अन्य किफायती पुस्तकों को प्राथमिकता देने के लिए प्रभावी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इससे शिक्षा का बढ़ता आर्थिक बोझ काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कलेक्टर ने की लंबित आवेदनों व विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशा : कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों, जन-कल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हुई।

कलेक्टर ने बंद पड़ी नल-जल योजनाओं को शीघ्र चालू कराने, पूर्ण हो चुकी योजनाओं के हैंडओवर, विभिन्न विभागों में आवंटन की स्थिति, उचित मूल्य दुकानों पर की गई कार्रवाई तथा राशन कार्ड हितग्राहियों की री-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की। छात्रावासवार प्रवेश, घुमक्कड़ सर्वे, राहत राशि वितरण तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत बैंकवार लंबित ऋण प्रकरणों, तहसीलवार लंबित आरआरसी प्रकरणों, जिला स्तरीय समितियों के सदस्यों के प्रभारी मंत्री द्वारा नामांकन की स्थिति तथा जिले में संचालित पौधारोपण अभियान एवं उसके रखरखाव की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनों एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की प्राथमिकता वाली व्यवस्था है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि समय-सीमा का पालन नहीं करने तथा शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला परिवहन अधिकारी को वाहनों की सघन जाँच कर यातायात नियमों के पालन, आवश्यक दस्तावेजों तथा ओवरलोडिंग सहित अन्य अनियमितताओं की जाँच करने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर को जिले के थोक दवा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लाइसेंस, दवा भंडारण व्यवस्था एवं औषधि अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच के लिए नियमित सैंपलिंग और निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

राज्य स्तरीय स्काउट जांच शिविर में भाग लेकर दल वापस लौटा

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदा : राज्य स्तरीय स्काउट जांच शिविर का आयोजन दिनांक 06 से 10, जुलाई तक जिला प्रशिक्षण केंद्र वारासिवनी बालाघाट में आयोजित किया गया, जिसमें नवांकुर व डॉल्फिन के तीन स्काउट स्काउट मास्टर भागीरथ शर्मा के नेतृत्व में शामिल हुए।

सहभागिता करने वाले स्काउट्स में संस्कार आचार्य, हिमांशु रघुवंशी, और प्रयाग सेन के नाम सम्मिलित हैं। इस पांच दिवसीय शिविर में स्काउट्स ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। विषम परिस्थितियों में संघर्ष करने की बारीकियाँ सीखी व अनेक प्रकार के परीक्षणों में शामिल हुए। जिला शिक्षा अधिकारी के कुशल नेतृत्व, जिला सचिव जिला संघ स्काउट हरिहर चतुर्वेदी एव श्रीमती अनीता पटले के मार्गदर्शन में विदिशा जिले से तीन स्काउट, दो गाइड, एक स्काउटर एवं एक गाइड कैप्टन समेत 7 सदस्यीय दल ने राज्य स्तरीय जांच पुरस्कार शिविर में भाग लिया। इसमें सफल स्काउट एवं गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। नवांकुर विद्यालय परिवार ने स्काउट मास्टर भागीरथ शर्मा और स्काउट को बधाइयाँ देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

6 वाहनों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशा : कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर अजय पाठक के नेतृत्व में यातायात पुलिस के संयुक्त समन्वय से विदिशा नगर में स्वामी विवेकानंद चौराहा से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय तक मुख्य सड़क मार्ग का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सड़क पर अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों, यातायात बाधाओं तथा आवागमन की स्थिति का जायजा लिया गया। आम नागरिकों और वाहन चालकों की सुविधा तथा यातायात सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 6 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई।

कुबेरेश्वरधाम में 24 से शिव महापुराण कथा

29 जुलाई को भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव, देश भर से पहुंचेंगे श्रद्धालु

एक लोटा जल भी सच्ची श्रद्धा से अर्पित किया जाए तो भगवान शिव की कृपा अवश्य प्राप्त होती है: पं. मिश्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोर : शिव पर आस्था दुविधा में रास्ता है। जब आप भ्रम या संकट में हों और आपको रास्ता न सूझ रहा हो, तो भगवान शिव में विश्वास रखने से आपको समाधान मिल सकता है, क्योंकि शिव भक्तों के रास्ते कभी बंद नहीं होते. महादेव की पूजा और भक्ति सच्ची आस्था के साथ करने से मन को शांति मिलती है और जीवन में आने वाली कठिनाइयों से पार पाने का मार्ग प्रशस्त होता है।

उक्त विचार जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर जारी आन लाइन शिव महापुराण कथा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे।

आगामी 24 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक शिव महापुराण कथा एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालुओं के धाम पहुंचने की संभावना है। वहीं 30 जुलाई से सावन मास में कांवड यात्रा का महाकुंभ लगाया जाएगा।

उन्होंने कहाकि शिव महापुराण केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, संस्कार और भगवान शिव की भक्ति से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को श्रद्धा और विश्वास के साथ अर्पित किया गया एक लोटा जल भी भक्त के जीवन में सुख, शांति और कल्याण का कारण बनता है।

गुरू की कृपा से ही अनंतदृष्टि द्वारा अंतर्घट में ही ईश्वर की दिव्य अनुभूतियां होती हैं

सीहोर। गुरु की कृपा से ही शिष्य अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर अग्रसर होता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु न केवल शिक्षा के प्रदाता हैं, बल्कि जीवन के पथ-प्रदर्शक, और राष्ट्रनिर्माण के सूत्रधार भी हैं।गुरू की कृपा से ही अनंतदृष्टि द्वारा अंतर्घट में ही ईश्वर की दिव्य अनुभूतियां होती हैं। भगवान शिव के माथे पर जागृत तृतीय नेत्र प्रेरित करता है कि हम भी एक पूर्ण गुरू की शरण प्राप्त कर अपना शिव-नेत्र जागृत कराएं। जैसे ही हमारा यह नेत्र खुलेगा, हम अपने भीतर समाई ब्रह्म-सत्ता का साक्षात्कार करेंगे। उक्त विचार शहर के प्राचीन श्री हंसदास मठ के महंत हरिरामदास महाराज ने कहे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कार्ययोजना तैयार करें: कलेक्टर

नईदुनिया प्रतिनिधि, मंदसौर : जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी और योजनाबद्ध तरीके से लागू करने के लिए कलेक्टर अदिति गर्ग ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगर पालिका अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर जिला स्तर पर भेजने के निर्देश दिए हैं।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कचरे का निपटान केवल निर्धारित स्थानों पर ही किया जाए तथा इस कार्य में स्थानीय लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विशेष सेल गठित किया गया है और सभी नगरीय निकाय भी इसी प्रकार सेल का गठन करें। उन्होंने बाजार क्षेत्रों में कचरा फैलाने वालों पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई तेज करने और कचरा पृथक्करण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्रों में भी कचरा निपटान के लिए स्थान चिन्हित करने तथा उच्च स्तरीय दल के निरीक्षण से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा। बैठक में पेयजल की गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जल टंकियों में नियमित क्लोरीनेशन, पानी की गुणवत्ता और ऑक्सीजन स्तर की जांच तथा कुओं-बावड़ियों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ई-अटेंडेंस की समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग के 271 शिक्षकों की अनुपस्थिति मिलने पर बिना वैध कारण अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन और संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने सहित विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वच्छता चौपाल के माध्यम से नागरिकों को किया जागरूक

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदा : नगर पालिका परिषद द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 04, रविदास कॉलोनी में स्वच्छता चौपाल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मानसून के दौरान फैलने वाले डायरिया, हैजा, टाइफाइड, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा अन्य संक्रामक एवं जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए आमजन को जागरूक करना था। इस दौरान नागरिकों को स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, भोजन को ढककर रखने, नियमित रूप से हाथ धोने, घर एवं आसपास जलभराव नहीं होने देने, नालियों की सफाई बनाए रखने तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग कर केवल नगर पालिका के कचरा वाहन में देने की समझाइश दी गई।। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद मणि अहिरवार, पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी आर. के. नेमा, आवरण सोशल वेलफेयर सोसायटी से अभिषेक शर्मा एवं उनकी टीम, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, जनजागरूकता और जनसहभागिता का संदेश देते हुए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर गंज बासौदा के निर्माण का संकल्प दोहराया गया।

मूंग खरीदी पर सियासत : 100 प्रतिशत एमएसपी की मांग को लेकर विरोध

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदा : मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी को लेकर किसानों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है। सरकार की सीमित खरीदी नीति के विरोध में किसानों ने प्रदेशभर में आंदोलन तेज कर दिया है। गांव-गांव में प्रदर्शन हो रहे हैं, जहां किसान पुतला दहन कर रहे हैं और कई जगहों पर सरकार के खिलाफ प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध जताया जा रहा है। किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

दरअसल, इस साल प्रदेश में मूंग की पैदावार अच्छी हुई है। ऐसे में किसानों को उम्मीद थी कि सरकार उनकी पूरी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदेगी, लेकिन लागू की गई सीमित खरीदी नीति ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। किसानों का कहना है कि केवल 25 प्रतिशत तक खरीदी की व्यवस्था उन्हें सीधे आर्थिक संकट में धकेल रही है। मजबूरी में उन्हें अपनी मेहनत की फसल खुले बाजार में कम दाम पर बेचनी पड़ रही है, जिससे लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।

सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में विरोध लगातार तेज हो रहा है। बोरखेड़ा कला, छिदगांव काछी और नयागांव जैसे गांवों में किसानों ने जुलूस निकालकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

नयागांव में तो किसानों ने पहले गांव में सरकार की प्रतीकात्मक अर्थी निकाली और उसके बाद पुतला दहन कर आक्रोश जताया। किसानों का कहना है कि वे अपनी मेहनत का सही दाम चाहते हैं और इसके लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं। आंदोलन कर रहे किसानों ने सरकार के सामने कई अहम मांगें रखी हैं। इनमें मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी खुले पर सुनिश्चित करना, सभी पंजीकृत किसानों की फसल खरीदी जाना, खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाना और प्रक्रिया को आसान व पारदर्शी बनाना शामिल है। इसके साथ ही किसानों ने समय पर भुगतान की भी मांग की है, ताकि उन्हें अगली फसल के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े। किसानों का यह भी कहना है कि खरीदी पर लगी मात्रा सीमा को पूरी तरह खत्म किया जाए। इसके अलावा खाद की समस्या भी किसानों के लिए बड़ी चिंता बनी हुई है। किसानों ने यूरिया और डीएपी खाद के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था को बंद करने और पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पहले ही खरीदी को लेकर परेशानी है, ऐसे में खाद की कमी से हालात और बिगड़ सकते हैं। किसान संगठनों ने 16 जुलाई को भोपाल में बड़े स्तर पर प्रदर्शन और चक्काजाम का ऐलान किया है। इसे लेकर गांव-गांव में किसानों को एकजुट किया जा रहा है। संगठनों का दावा है कि इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे और सरकार को अपनी मांगों पर निर्णय लेने के लिए मजबूर करेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब उत्पादन अधिक होता है, तब खरीदी व्यवस्था को मजबूत करना बेहद जरूरी होता है। यदि समय पर खरीदी नहीं होती है तो इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। मूंग खरीदी में देरी या सीमित खरीदी से किसानों को अगली फसल के लिए पूंजी जुटाने में कठिनाई होती है, जिससे खेती का पूरा चक्र प्रभावित हो सकता है।